संदेश

हिंदी दिवस के अवसर पर भारतीय सेना के सभी रैंकों एवं सिविलियन अधिकारियों और कर्मचारियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

हमारा देश विविध भाषाओं, बोलियों एवं संस्कृतियों का देश है। भारतीय सभ्यता, संस्कृति, साहित्य एवं दर्शन का गौरवशाली इतिहास हर भाषा में उपलब्ध है, और विविधता में एकता लाने में हिंदी भाषा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

किसी भी लोकतांत्रिक देश में जनता और शासन के मध्य जनभाषा ही संपर्क भाषा के रुप में सार्थक भूमिका अदा करती है। हिंदी की विशेषताओं एवं अधिक लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए भारतीय संविधान द्वारा 14 सितंबर 1949 को हिंदी को राजभाषा के रुप में अंगीकार किया गया एवं संविधान में इसके लिए समुचित प्रावधान किए गए।

सूचना एवं प्रौधोगिकी के इस युग में हिंदी में काम करना अत्यंत सरल एवं सुगम हो गया है। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि हमारे सैनिक व सभी कर्मचारी अपना रोजमर्रा का सरकारी काम राजभाषा हिंदी में अत्यंत सहजता के साथ कर रहे हैं।

आज सैन्य कार्यालयों में आपसी पत्राचार तथा सेना और आम जनता के बीच पत्र व्यवहार में राजभाषा हिंदी का प्रयोग बढ़ा है एवं राजभाषा कार्यान्वयन के वार्षिक लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में हम अग्रसर हैं।

राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में भविष्य में भी हम सभी अपना योगदान देने में अग्रणी रहेंगे। इस शुभेच्छा हेतु मेरी ओर से हिंदी दिवस के अवसर पर पुनः हार्दिक शुभकामनाएं।

'जय हिंद'

(मनोज पाण्डे)
जनरल
सेनाध्यक्ष